

न्यायालय उप जिला कलक्टर टोडाभीम

फर्द अहकाम

दिनांक


मु.नं. 10/18 तारीख रज् 12-2-18

उतवान- (प्रडो देवी बनाम हेमराज जाख लो 0 पीलवा

प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा अन्तर्गत् चारा 212

प्रार्थी की ओरसे श्री सुनी लकुमार जिन्दल एवमेकेट ने प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा अन्तर्गत् चारा 212 के तहत पेश किया। प्रस्तुत जमा बन्दी व श्राप पत्र का अवलोकन किया गया। प्रार्थी वकील को एकतरफा बहस सुनी गयी। मामला प्रार्थी के पक्ष में होना प्रतीत होता है। अतः अप्रार्थीगण को अन्तरिम अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि ग्राम पीलवा के रकबा नं. 1063/3111 रकबा 009, 1079 रकबा 002, 1080 रकबा 005 1081 रकबा 002, 1083/3018 रकबा 016, 1092 रकबा 014, 1093 रकबा 005 कुल कित 7 कुल रकबा 072 ऐयरं रूमि की सामग्री पेशी तक निमित्त/कुही करे। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थीगण के जरिये नोटिस से तलब कर दिनांक 23-2-18 को पेश हो।

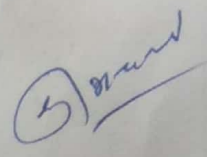
719.24
14.2-18


जनरल आर्ष
उपजिला कलक्टर
टोडाभीम

23.2.18

प्रार्थी वकील उप०। अर्थात् नं. 1 की स्वयंसे अर्थात् नं. 2 का 5 की श्राप पत्र तथा अर्थात् नं. 6 की कार्मिक पत्र तामील हुई है जो उचित उपस्थित नहीं है। 1.0 सा० घुसाप कार्मिक से करोली पछे ले बाले अर्थात् अदेश दि० 12.3.18 को पेश हो।

12/3/18 वादी वकील उप०। अर्थात् नं. 1 का 5 की श्राप ले श्री सुरेश चंद शर्मा M.V. उप०। अर्थात् नं. 6 के विक्रय स्वक्षीप कार्मिक की जाती है वकालतनामा व जबाब पेश होने दि 5-4-18 को पेश हो।



न्यायालय उप जिला कलक्टर टोडाभीम

| दिनांक | फर्द अहकाम |
|--------------------------|---|
| <p>3-5-18</p> | <p>पत्रावली राजसव लोक अदालत शिविर... दिनांक... 18/1/18... के पेश हो</p> |
| <p>18-9-18</p> | <p>वकील उमय पक्ष उपस्थित वकील उमय पक्ष की बहस सुनी गई प्रार्थी वकील ने प्रार्थना पत्र अस्थाई निवेदाज्ञा में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए दिनांक 12-2-18 को जारी अंतरिम अस्थाई निवेदाज्ञा को दावा के निस्तारण तक कन्फर्म करने का कथन किया वकील अप्रार्थी ने प्रार्थना पत्र अस्थाई निवेदाज्ञा के अभाव में वर्णित तथ्यों को दोहराया प्रार्थी वकील ने अपनी बहस में कथन किया कि अप्रार्थी नं. 1 अ-3 स्वोतेदार ही नहीं है अप्रार्थी नं. 4-5 सहोतेदार हैं विधिवत तकासा कटोये अप्रार्थी नं. 1 अ-3 अप्रार्थी नं. 4-5 के सहयोग से निर्माण कर रहे हैं उन्हें पाबन्द किया जावे वकील अप्रार्थी ने कथन किया कि अगर सिंह व खुशीराम भाई हैं हिस्सा 1/2 पर गौर सायल का बिज है कृषि विकास कब्जे की भूमि पर ही निर्माण कर रहे हैं वादी किस जगह का बिज डेपह स्पष्ट नहीं किया है दावा भी चट्टारा का नहीं है सहोतेदारान को पाबन्द नहीं किया जा सकता है प्रार्थना पत्र अस्थाई निवेदाज्ञा खारिज फरमाया जावे </p> <p>वकील उमय पक्ष की बहस पर मनन किया पत्रावली में शामिल दस्तावेजों का प्रबलिकन किया गाम पीलवा की जमाबन्दी सेवत 2071-2074 के खाता</p> |

उपजिला कलक्टर
 टोडाभीम (करौली)

न्यायालय उप जिला कलक्टर टोडाभीम

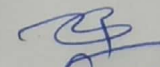
फर्द अहकाम

क्रांक

सेरवा 471 में अर्धचौं हिस्सा 1/108 की स्वतन्त्र काश्तकार है अर्धचौं नं. 4 ब 5 के पिता खुशीराम का 1/27 हिस्सा की अर्धचौं नं. 1, 2, 3 स्वतन्त्र काश्तकार नहीं की अर्धचौं नं. 4 ब 5 के पिता के नाम भूमि सहस्वतन्त्रो के रूप में दर्ज की विधिवत तकासा होने तक समस्त सहस्वतन्त्रो का समान हिस्सा दर्ज होता है इसलिए सहस्वतन्त्रो को अस्थाई निवेदाज्ञा से पाबन्द किया जाना उचित नहीं पाता है। अर्धचौं नं. 1, 2, 3 स्वतन्त्र काश्तकार नहीं की अतः अर्धचौं नं. 1, 2, 3 को अस्थाई निवेदाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि गुम पीलवा की भूमि रसरा नम्बर $\frac{1063/3111}{0.09}$
 $\frac{1079}{0.02}$, $\frac{1080}{0.05}$, $\frac{1081}{0.21}$, $\frac{1083/3018}{0.16}$, $\frac{1092}{0.14}$, $\frac{1093}{0.05}$
 कुल कितना कुल रकम 0.72 है में किसी भी प्रकार का पुरता निमण नहीं करें।

पत्रावली के साथ शुमार होकर नम्बर से कम होकर दफा पत्रावली के साथ सैलज रहे।

निर्णय आज दिनांक 18.9.2019 को खुले न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गया।


 (दुर्गा प्रसाद शर्मा)
 उपजिला कलक्टर
 टोडाभीम (करौली)